लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

भाद्रपद कृष्ण पक्ष पंचमी 04:42 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2080

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण अखबार

वर्ष 4, अंक 290, पृष्ठ 14, मूल्य: 6 रुपये

बरेली, सोमवार, 4 सितंबर 2023

www.amritvichar.com

गीतों के जरिए रूठे सावन को मनाने की कोशिश

बरेली अमृत विचार : एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार को गायन के विद्यार्थियों शालिनी, बीनल, आर्या, अभिश्री, अश्वत, पंखुड़ी, श्रेया, लतिका अग्रवाल ने गीतों को जरिए सावन की फुहार को याद किया। इस वर्ष करीब-करीब रुठे सावन को मनाने के लिए उन्होंने गीतों का सहारा लिया। कार्यक्रम का आरंभ गणेश वंदना से किया। मेरे बांके बिहारी लाल और झूला झूले नंदलाल और झूलनी का रंग जैसे गीतों को भी विद्यार्थियों ने आवाज दी। गेस्ट परफामेंस के रूप में इंदू परडल ने सुनियो जी अरज हमारी, डॉ. अनुज कुमार ने तोरे नैना के लागे और डॉ. रीटा शर्मा ने बरसन लागी गीत गाए। स्नेहाशीष दुबे और आयुषी मजूमदार ने लागी करेजवा और झूला धीरे से झुलावो बनबारी गाया। कार्यक्रम में उमेश मिश्रा ने सारंगी, कुंवर पाल ने सितार, हिमांशु चंद्रा ने गिटार, टुकुमनी सेन ने तबला, चंद्र मोहन ने बांसुरी और सूर्यकांत चौधरी ने वायलिन से साथ दिया। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक और चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डॉ. प्रभाकर गुप्ता और शहर के अन्य लोग उपस्थित रहे।